(ग) ट्राइसेम योजना को पूरे देश में कार्यान्वित किया गया है ।

जवाहर रोजगार योजना द्वारा सृजित रोजगार

2040. श्री वीरेन जे0 शाह :
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अधिकतम अवसरों का सृजन करने हेतु जवाहर रोजगार योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वित्तीय वर्ष 1992–93 के दौरान देश में विभिन्न राज्यों को प्रदान की गई केन्द्रीय अनुदान की 50 प्रतिशत धनराशि का भी उपयोग नहीं किया जा सका है और इसके परिणामस्वरूप पैदा होने वाले श्रम-दिवसों की संख्या में अत्यधिक कमी आई है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) वित्तीय वर्ष 1993-94 के दौरान जवाहर योजना के अंतर्गत कितने युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा और इसी अवधि के दौरान इस योजना के अंतर्गत उनके लिए कितने श्रम-दिवसों का सृजन किये जाने की योजना है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) जवाहर रोजगार योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार तथा अल्प-रोजगार वाले लोगों के लिए अतिरिक्त, रोजगार जुटाने के लिये क्रियान्वित किया जा रहा है ।

(ख) 31-3-93 की स्थिति के अनुसार 1992-93 के दौरान राज्यों/केन्द्र शासित क्षेत्रों को 2034.44 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता रिलीज की गई थी । इसके मुकाबले राज्य सरकारों को 507.67 करोड़ रुपये का अपना मैचिंग अंश भी रिलीज करना था । इस तरह से 1992-93 के दौरान 2542.11 करोड़ रुपये की कुल रिलीज थी । राज्य सरकारों से अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 1992-93 के दौरान अभी तक 2464.61 करोड़ रुपये इस्तेमाल किए गए हैं ।

जहां तक रोजगार सृजन का संबंध है, जवाहर रोजगार योजना के तहत 753.79 मिलियन श्रमदिनों के लक्ष्य के मुकाबले राज्य सरकारों से अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 1992-93 के दौरान 714.97 मिलियन श्रम दिन सृजित किए गए हैं । इसलिए यह देखा जा सकता है कि 1992-93 के दौरान जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय और भौतिक निष्पादन 50% से अधिक रहा है ।

31-3-93 को राज्यों/केन्द्र शासित क्षेत्रों को 490.85 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता भी रिलीज की गई थी । जिसके मुकाबले राज्य सरकारों द्वारा अपने मैचिंग अंश की 122.71 करोड़ रु० की राशि रिलीज की जानी थी । चंकि 490.85 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता 31.3.93 को दी गई, इसलिए 1992–93 के दौरान श्रमदिनों के सृजन हेतु लक्ष्य निर्धारित करते समय इस राशि को मद्दे नजर नहीं रखा गया ।

(ग) सूचना अनुपत्र में दी गई है । [देखिए परिशिष्ट 167, अनुपत्र संख्या 25]

(घ) जवाहर रोजगार योजना का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार तथा अल्प रोजगार वाले लोगों, पुरुषों और महिलाओं के लिए अतिरिक्त लाभप्रद रोजगार सृजित करना है । इसलिए यह कार्यक्रम स्वलक्षीय है । 1993–94 के दौरान इस कार्यक्रम के अंतर्गत मोटे तौर पर 1100 मिलियन श्रमदिन सृजित करने का प्रस्ताव है ।